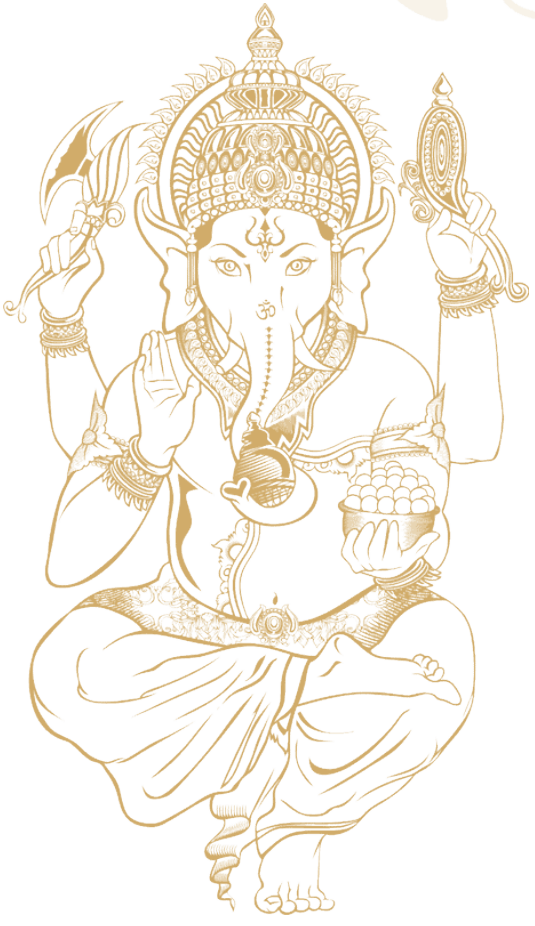

Rinki chaudhary

15 Sep 1997

07:15 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121660902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/09/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	02:54:36 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:54:44 घंटे
वेलान्तर	00:04:43 घंटे
साम्पातिक काल	06:31:00 घंटे
सूर्योदय	06:05:09 घंटे
सूर्यास्त	18:25:22 घंटे
दिनमान	12:20:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:26:23 सिंह
लग्न के अंश	13:00:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	13:00:05	317:40:39	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	28:26:23	00:58:27	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			कुंभ	04:08:51	15:01:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	26:39:33	00:40:31	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	10:45:45	00:44:37	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मक	19:08:15	00:04:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	09:38:01	01:09:33	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	24:57:21	00:03:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:55:33	00:00:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:55:33	00:00:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:15:38	00:01:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:30:42	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:17:59	00:01:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	13:17:34	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:27

लग्न-चलित

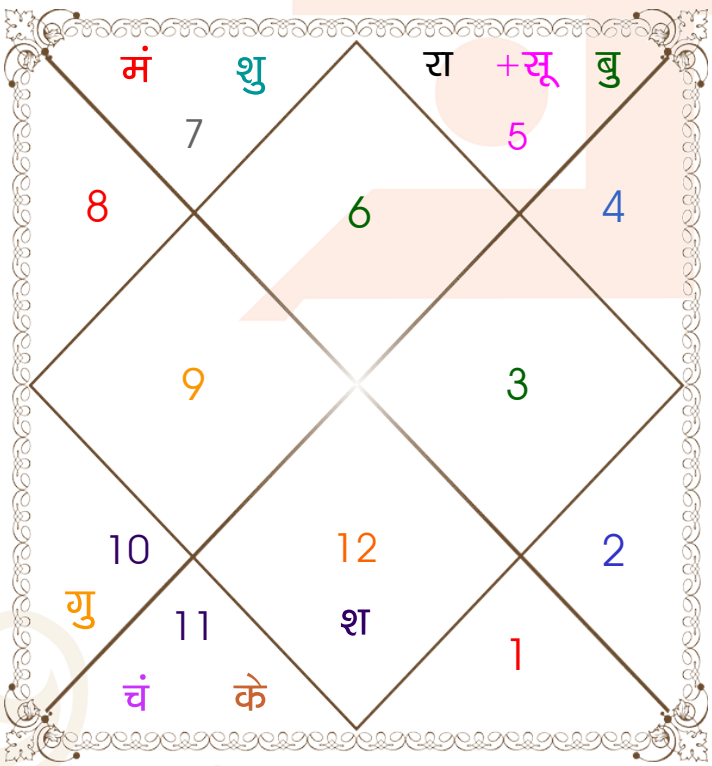

चन्द्र कुंडली

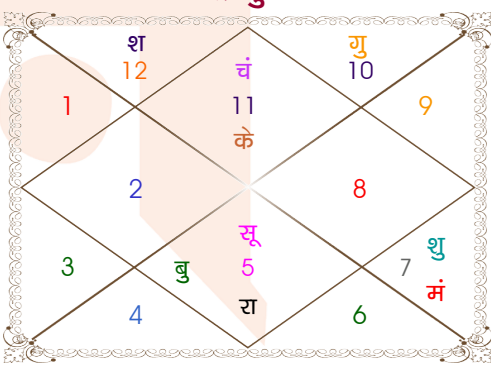

नवमांश कुंडली

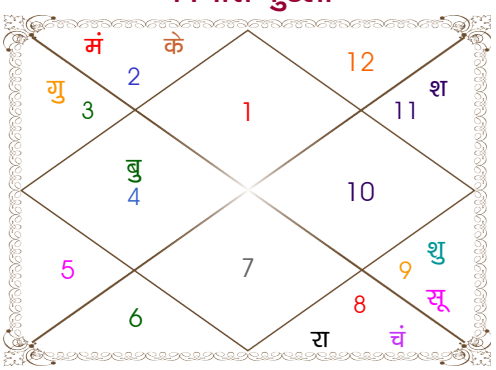

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 3 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/09/1997		11/01/1999		10/01/2017		10/01/2033		11/01/2052	
11/01/1999		10/01/2017		10/01/2033		11/01/2052		10/01/2069	
	00/00/0000	राहु	23/09/2001	गुरु	01/03/2019	शनि	14/01/2036	बुध	09/06/2054
	00/00/0000	गुरु	17/02/2004	शनि	11/09/2021	बुध	23/09/2038	केतु	06/06/2055
	00/00/0000	शनि	24/12/2006	बुध	18/12/2023	केतु	02/11/2039	शुक्र	06/04/2058
	00/00/0000	बुध	12/07/2009	केतु	23/11/2024	शुक्र	02/01/2043	सूर्य	10/02/2059
	00/00/0000	केतु	31/07/2010	शुक्र	25/07/2027	सूर्य	15/12/2043	चंद्र	12/07/2060
	15/09/1997	शुक्र	30/07/2013	सूर्य	12/05/2028	चंद्र	15/07/2045	मंगल	09/07/2061
शुक्र	04/02/1998	सूर्य	24/06/2014	चंद्र	11/09/2029	मंगल	24/08/2046	राहु	26/01/2064
सूर्य	12/06/1998	चंद्र	24/12/2015	मंगल	18/08/2030	राहु	30/06/2049	गुरु	03/05/2066
चंद्र	11/01/1999	मंगल	10/01/2017	राहु	10/01/2033	गुरु	11/01/2052	शनि	10/01/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/01/2069		11/01/2076		11/01/2096		12/01/2102		12/01/2112	
11/01/2076		11/01/2096		12/01/2102		12/01/2112		00/00/0000	
केतु	09/06/2069	शुक्र	13/05/2079	सूर्य	30/04/2096	चंद्र	12/11/2102	मंगल	09/06/2112
शुक्र	09/08/2070	सूर्य	12/05/2080	चंद्र	29/10/2096	मंगल	13/06/2103	राहु	28/06/2113
सूर्य	14/12/2070	चंद्र	11/01/2082	मंगल	06/03/2097	राहु	12/12/2104	गुरु	04/06/2114
चंद्र	16/07/2071	मंगल	13/03/2083	राहु	29/01/2098	गुरु	13/04/2106	शनि	14/07/2115
मंगल	12/12/2071	राहु	13/03/2086	गुरु	17/11/2098	शनि	12/11/2107	बुध	10/07/2116
राहु	29/12/2072	गुरु	11/11/2088	शनि	30/10/2099	बुध	13/04/2109	केतु	06/12/2116
गुरु	05/12/2073	शनि	11/01/2092	बुध	06/09/2100	केतु	12/11/2109	शुक्र	16/09/2117
शनि	14/01/2075	बुध	11/11/2094	केतु	11/01/2101	शुक्र	14/07/2111		00/00/0000
बुध	11/01/2076	केतु	11/01/2096	शुक्र	12/01/2102	सूर्य	12/01/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।